विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

विषय- हिंदी ***दिनांक-27/05/2020***
वर्ग-पंचम ***वर्ग-शिक्षिका — नीतू कुमारी***

पाठ-2

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने दादी माँ का पत्र अध्ययन किए। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपने कहानी पूरे मनोयोग से पढ़ा होगा और समझ भी गए होंगे। आज उसी पाठ से शब्दार्थ का अध्ययन करेंगे। जो इस प्रकार है:—

शब्दार्थ

व्यर्थ — प्रकट किया गया, जो बता दिया गया।
इच्छा शक्ति — किसी कार्य को मन के अनुकूल करने की शक्ति
सगाई — विवाह के पहले का बंधन
मनोनुकूल— मन के अनुकूल , मन के मुताबिक़
अनिवार्य — जिसे टाला न जा सके
प्रक्रिया — काम होने की विधि
अभिप्राय — मतलब या उद्देश्य
प्रबल — विशेष बल वाला , मज़बूत
ठान लेना — किसी काम को करने का पक्का निश्चय करना
प्रचलन — जो चल रहा था , रिवाज
सदुपयोग — सही उपयोग, अच्छा उपयोग
अनवरत — बिना रुके , लगातार
व्यापक — फैला हुआ , विस्तृत
वंचित — रहित , के बिना रह जाना

बच्चों दी गयी अध्ययन-सामग्री याद करें एवं याद करके माता व पिता को सुनाएँ।

गृहकार्य :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)
(क) अपने परिवार में मोहिनी को किससे और कैसे प्रोत्साहन मिला ?
(ख) "मुझे तुम पर गर्व है" मोहिनी के पिता जी ने किस प्रसंग में यह बात कही?
(ग) गाँधी जी के विचार में स्त्री को क्यों शिक्षित होना चाहिए?
(घ) "मैं व्यवहार में भेदभाव सहन नहीं कर सक़ती"— का आशय स्पष्ट करें।